an>

Title: Need to make a standard operating procedure for blood and organ donation.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली): माननीय उपाध्यक्ष महोदय जी, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया, बहुत-बहुत धन्यवाद। आज देश में मरीजों के लिए रक्तदाताओं और रक्त की कमी नहीं है। आजादी के 65 साल बाद भी हम ऐसी व्यवस्था नहीं कर पाए हैं कि दानदाताओं द्वारा रक्त और अंग के रूप में किए गए दान को जरूरतमंद मरीजों तक समय पर और व्यवस्थित रूप से पहुंचा सके। हमारे देश में प्रति वर्ष 4 करोड़ यूनिट ब्लड की जरूरत पड़ती है जबकि उपलब्धता सिर्फ 40 लाख यूनिट ही है। इस कमी को दूर करने के लिए हमारा तंत्र जुटाए गए ब्लड को भी सुरक्षित रखने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। मेरा भारत सरकार के चिकित्सा मंत्री जी से अनुरोध है कि देश भर में ब्लड बैंकों व अस्पतालों में दान किए गए रक्त व अंगों को सुरक्षित रखने के लिए एक नई व्यवस्था बनाई जाए। रक्तदान और अंगदान के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर बनाया जाए जिससे किसी प्रकार की बर्बादी की सूचना प्राप्त होने पर उसे तुरंत दूर किया जा सके। इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए ताकि लापरवाही होने पर इन्हें दंडित किया जा सके। इससे मरीजों को सही समय पर और व्यवस्थित तरीके से रखे गए ब्लड व अंगों का लाभ मिल सकेगा। 21वीं सदी का भारत स्वास्थ्य की सुरक्षा का अधिकारी है, उसे यह अधिकार देना ही होगा। धन्यवाद।